Two-day Northern Zone Vice-Chancellors' Conference on "Implementation of NEP 2020"

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Times of India **Date: 23-11-2023**

Two-day VCs' meet begins at PU

TIMES NEWS NETWORK

Chandigarh: A two-day northern zone vice-chancellors' conference with the theme of "Implementation of NEP 2020" was inaugurated at the law auditorium in Panjab University on Wednesday.

The conference is being attended by representatives from around 240 higher educational Institutions from north India. The event is being organised by PU in collaboration with University Grants Commission (UGC) and Central University, Haryana. The participants discussed strategies for effectively implementing the National Education Policy (NEP) 2020.

Bandaru Dattatraya, governor, Haryana, delivered the inaugural address and offered a comprehensive perspective on the significance of NEP 2020 in the broader educational landscape. Dattatray called upon all stakeholders and intellectuals to come together to implement the NEP 2020 in its spirit.

Balish Ahuja

A two-day northern zone vice-chancellors' conference on Implementation of NEP-2020 commences at Panjab University.The event is being organized by PU in collaboration with UGC and Central University, Haryana

Renu Vig, VC, Panjab University, said the university was taking all necessary measures to implement NEP 2020 from the forthcoming session. Professor Mamidala Jagadesh Kumar, the chairman of the UGC, emphasised the importance of the NEP for students and underscored the urgent need for its swift implementation in universities.

He highlighted that the higher education system is passing through difficult times and the students have been eagerly awaiting the benefits that implementation of the NEP brings for them like multiple entry/exit systems, multidisciplinary courses, skill-based courses.

On the first day, a short film showcasing UGC initiatives related to the NEP was also presented, providing attendees with a visual insight into the endeavours supporting the policy.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 23-11-2023**

पंजाब विश्वविद्यालय 2 दिवसीय सम्मेलन में बोले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने को एकजुट होकर करने होंगे प्रयास

पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ ऑडिटोरियम में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। -विक्की

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 22 नवंबर (हप्र)

पंजाब विश्वविद्यालय की मेजबानी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के महत्वपूर्ण विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन बुधवार को लॉ ऑडिटोरियम में शुरू हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करना है। सम्मलेन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कुलपति प्रोफेसर रेणु विग ने पंजाब विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास का परिचय देते हुए 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के क्रियान्वयन के सन्दर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा उठाये गए महत्वपूर्ण प्रयासों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' सत्र 2023 - 24 से लागू कर दी गयी है तथा पंजाब विश्वविद्यालय से सम्बंधित कॉलेजों में यह अगले सत्र से लागू कर दी जायेगी।

इसके बाद, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित किया। इस सम्मलेन में उत्तरी क्षेत्र के लगभग 240 उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। यूजीसी अध्यक्ष प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने विद्यार्थियों के लिए एनईपी के सर्वोच्च महत्व पर जोर दिया और विश्वविद्यालयों में इसके तेजी से कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर एनईपी से संबंधित यूजीसी की पहलों को प्रदर्शित करने वाली एक लघु फिल्म भी प्रस्तुत की गई। उद्घाटन भाषण हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा दिया गया, जिसमें व्यापक शैक्षिक परिदृश्य में एनईपी 2020 के महत्व पर गहन परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आमंत्रित बुद्धिजीवियों तथा हितधारकों का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को उसकी मूल भावना के साथ लागू करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें । कार्यक्रम का समापन पंजाब विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी इंस्ट्रक्शन की डीन प्रोफेसर रुमिना सेठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 23-11-2023**

गेम चेंजर साबित होगी नई शिक्षा नीति : दत्तात्रेय

बोले-विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे 69 लाख युवाओं को रोजगार दिलाना मुमकिन नहीं, पीयू के लॉ ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर दो दिवसीय सम्मेलन शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। तकनीक में लगातार हो रहे परिवर्तन के साथ नई शिक्षा नीति गेम चेंजर साबित होगी। इसके लिए जरूरी है कि नीति को सही और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। ये बात हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कही। वे पंजाब यूनिवर्सिटी में नॉर्दन जोन वाइस चांसलर कान्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस दौरान यूजीसी अध्यक्ष एम जगदीश कुमार भी मौजूद रहे।

पंजाब यूनिवर्सिटी के लॉ ऑडिटोरियम में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर दत्तात्रेय ने कहा कि देश के विश्वविद्यालयों में 69 लाख युवा पढ़ रहे हैं। इसमें छात्राओं की संख्या 35 लाख है और छात्रों की 34 लाख है। इतनी बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराना सरकार के लिए मुमकिन नहीं है। मैं भी यूनिवर्सिटी से पढ़ा हूं। डिग्री लेने के बाद मेरे पास नौकरी नहीं थी। सोचता था कैसे नौकरी करूं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से विद्यार्थी को आउटकम बेस्ड पढ़ाई मिलेगी। एनईपी से मुमकिन हो पाएगा कि विद्यार्थी नौकरी ढूंढने वाले नहीं, देने वाले बनेंगे। इसलिए भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया जैसे अभियान शुरू किए गए हैं।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हरियाणा के राज्यपाल व अन्य। संवाद

पंजाब यूनिवर्सिटी के लॉ ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद गण्यमान्य। संवाद

2047 तक विकसित देश बनाने के लिए एनईपी की भूमिका अहम

यूजीसी अध्यक्ष एम जगदीश कुमार ने सन 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के उद्देश्य पर कहा कि इसमें एनईपी अहम रोल निभाएगी। विकसित देश में विद्यार्थी नई तकनीक बनाने के लिए सक्षम होने चाहिए ताकि हमें अन्य देशों से तकनीक न खरीदनी पड़े, आर्थिक विकास होनी चाहिए और सांस्कृतिक रूप से विद्यार्थियों का उत्थान हो।

एम जगदीश ने प्रश्न किया कि जब सारी जानकारी आज विद्यार्थियों के पास उपलब्ध है तो उसे शिक्षक के पास आने की आवश्यकता क्या है। वह बोले, शिक्षकों को अपने पारंपरिक रूप से बाहर आकर खुद को प्रेरक के रूप में प्रस्तुत होना। विद्यार्थियों को बेहतर विचारक, निर्णायक बनाने के लिए प्रेरित करना है। अंतःविषय शिक्षा के महत्व पर बात करते हुए एम जगदीश ने कहा एक उत्पाद को बनाने के लिए विभिन्न कौशल की जरूरत पड़ती है। उदाहरण के तौर पर एक ड्रोन को बनाने के लिए मैकेनिकल स्किल, सॉफ्टवेयर आदि विभिन्न कौशल की जरूरत पड़ती है। विद्यार्थियों की पढ़ाई भी इस अनुसार होनी चाहिए। एनईपी को कार्यान्वयन में लाने के लिए पहले शिक्षकों को संकाय की सीमाओं से बाहर निकलना होगा ताकि वह पूरे खुलेपन के साथ इसे अपनाएं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करना उद्देश्य

सम्मेलन का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करना है। सम्मेलन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) व केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। समारोह की शुरुआत कुलपति प्रो. रेणु विग के पंजाब यूनिवर्सिटी के गौरवशाली इतिहास का संक्षिप्त परिचय और एनईपी के क्रियान्वयन के संदर्भ में पीयू के प्रयासों का परिचय दिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित किया, जिसने आगामी व्यावहारिक चर्चा के लिए सुदृढ़ भूमिका का कार्य किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 23-11-2023**

• पीयू में एनईपी पॉलिसी को लेकर नॉर्थ जोन वीसी कॉन्फ्रेंस शुरू, 240 यूनिवर्सिटी से पहुंचे वीसी

एनईपी लागू करें, पर अपने मौजूदा सिस्टम को भी रिव्यू करें, देश भर से आती हैं शिकायतें: कुमार

एजुकेशन रिपोर्टर | चंडीगढ़

नई एजुकेशन पॉलिसी हमारे देश के एजुकेशन सिस्टम में ठीक वैसे ही है, जैसे अंधेरी सुरंग के अंदर कोई रोशनी की किरण दिखाई दे रही हो। साल 2047 तक भारत को विकसित देश के रूप में डेवलप करने के लिए बहुत जरूरी है कि इसे पूरी तरह लागू किया जाए। यह ताकीद की यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन के अध्यक्ष मामिदाला जगदीश कुमार ने।

पंजाब यूनिवर्सिटी में शुरू हुई वाइस चांसलरों की नॉर्थ जोन मीटिंग को संबोधित करते हुए कुमार ने सभी एजुकेशनिस्ट को राय दी कि वे अपने मौजूदा सिस्टम को भी परख लें। एक ओर भारतीय यूनिवर्सिटीज नई एजुकेशन पॉलिसी लागू करने की तैयारी में है, तो दूसरी ओर रोजाना उनके पास देश के सभी हिस्सों से शिकायतें आती हैं कि पेपर सही समय पर नहीं हुए या रिजल्ट नहीं निकले। कहा कि इस बात पर ध्यान देना बहुत जरूरी है कि एकेडमिक कैलेंडर शब्द ब शब्द लागू हो। पढ़ाने की तिथियां, पेपर लेने की तिथियां और रिजल्ट निकालने की डेट पर यूनिवर्सिटीज को पूरी तरह काम करना होगा।

विकसित देश बनना है तो तकनीक भारत में ही बनानी होगी...

जगदीश ने कहा एनईपी लागू करने के लिए बहुत चैलेंज हैं। इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर चैलेंज है, फैकल्टी की कमी है और रिसर्च के लिए इकोसिस्टम की कमी है, लेकिन इस समय इंस्टीट्यूट की अध्यक्षता कर रहे कुलपतियों और डायरेक्टर्स की जिम्मेदारी है कि वह अपनी फैकल्टी और स्टूडेंट्स को एनईपी का रोड मैप दिखाएं। 2047 तक अगर भारत को विकसित देश के रूप में उभरना है तकनीक भारत में ही बनानी होगी। यूजीसी चेयरमैन ने कहा स्टूडेंट्स को क्लास तक लाने के लिए जरूरी है कि टीचर अब मेंटोर की भूमिका अदा करें। उनके लिए एक्सपीरिएंशियल लर्निंग जरूरी है। कुछ वह तभी कर पाएंगे जब उनके हैंड्स ऑन ट्रेनिंग होगी। मल्टी डिसिप्लनरी एजुकेशन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश की बड़ी समस्याओं का हल इसी से निकलेगा। एनईपी को लेकर यूजीसी के इनीशिएटिव पर वीडियो दिखाया गया। हरियाणा के गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय इसके मुख्य अतिथि रहे।

• 10 ग्रुप के बीच इन मुद्दों पर होगा डिस्कशन...

सेशन	विषय	चेयरपर्सन
ग्रुप एक	मल्टीडिसिप्लनरी एंड होलिस्टिक एजुकेशन	जीजीएस इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. महेश वर्मा
ग्रुप दो	डिजिटल एंपावरमेंट एंड ऑनलाइन एजुकेशन	सेंट्रल यूनिवर्सिटी पंजाब के वीसी प्रो. राघवेंद्र पी तिवारी
ग्रुप तीन	स्किल डेवलपमेंट एंड एम्प्लायबिल्टी	श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी पलवल के वीसी प्रो. राज नेहरू
ग्रुप चार	रिसर्च, इनोवेशन एंड इंटरप्रिनियोरिशप	गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. दिनेश कुमार
ग्रुप पांच	कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ टीचर्स फॉर क्वालिटी एजुकेशन	निट्टर चंडीगढ़ के डायरेक्टर प्रो. भोला राम गुर्जर
ग्रुप छह	गवर्नेंस एंड ऑटोनमी	चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी भिवानी के वीसी प्रो. राज कुमार मित्तल
ग्रुप सात	एक्रीडिटेशन एंड एक्सीलेंस	हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी शिमला के वीसी प्रो. वीके शिवराम
ग्रुप आठ	इक्विटेबल एंड इंक्लूसिव एजुकेशन	चितकारा यूनिवर्सिटी राजपुरा की वीसी प्रो. अर्चना मंत्री
ग्रुप नौ	इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड इंडियन लैंग्वेज	श्री लाल बहादुर शास्त्री नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. तारकेश्वर नाथ
ग्रुप 10	इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ एजुकेशन	हायर एजुकेशन काउंसिल हरियाणा के चेयरमैन प्रो. केसी शर्मा

• वीसी रेनू ने यूनिवर्सिटी के सफर और एनईपी के प्रयास पर कही बात

वाइस चांसलर प्रो. रेनू विग ने अपनी यूनिवर्सिटी कालाहीर से लेकर अब तक का सफर बताते हुए नई एजुकेशन पॉलिसी को लेकर किया जा रहे प्रयास के बारे में बताया। कार्यक्रम की सह मेजबानी कर रही सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा के वाइस चांसलर प्रो. टीकेश्वर कुमार ने कहा कि स्टूडेंट पढ़कर निकले और वह काम करने या जॉब के लायक हो इसमें नई एजुकेशन पॉलिसी सबसे बड़ा फायदा हो सकती है। जो भी इंस्टीट्यूट से लागू करने में देरी कर रहे हैं वह अपने युवा वर्ग का नुकसान कर रहे हैं। इसके बाद वोरखार को होने वाले सेशन पर बात की गई, जिसकी रिपोर्ट यूजीसी को सब्मिट की जाएगी। 10 ग्रुप के सेशन के बाद सभी चेयरपर्सन अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और फिर प्रश्न उत्तर का दौर भी चलेगा।

• चेयरमैन ने शाम को वीसी के साथ किया क्वेश्चर आंसर राउंड

देर शाम अध्यक्ष जगदीश कुमार के साथ अलग-अलग यूनिवर्सिटी से आए वीसी का क्वेश्चन आंसर राउंड रखा गया था। इसमें ज्यादातर वीसी के सवाल इंट्रडिसीप्लिनरी को लेकर थे। करीब 9 क्वेश्चन पूछे गए, जिनका जवाब देते हुए कुमार ने समझाया कि इंट्रडिसीप्लिनरी कोर्स के दौरान स्टूडेंट की इच्छा के अनुसार यूनिवर्सिटी को उसे कोर्स करवाना है, लेकिन इसका क्राइटेरिया तय करने का डिसीजन यूनिवर्सिटी का अपना है। अगर कोई बीए का स्टूडेंट एमएससी केमिस्ट्री करना चाहता है और वह कुछ क्रेडिट केमिस्ट्री के कर चुका है तो उसको एंट्रेंस टेस्ट देना होगा। अगर एंट्रेंस टेस्ट देने के बाद भी यूनिवर्सिटी को लगता है कि उसे स्टूडेंट की पहाई पूरी नहीं है और उसे केमिस्ट्री के कुछ कोर्स और करने की जरूरत है तो ब्रिज कोर्स करने की जिम्मेदारी यूनिवर्सिटी की है। ऐसी ही परमिशन सभी कोर्सेज के लिए है।

• पुटा ने यूजीसी चेयरमैन को सौंपा मेमोरंडम

पंजाब यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (पुटा) के प्रेसिडेंट अमरजीत सिंह नौरा, सेक्रेटरी मृत्युंजय कुमार और अन्य मेंबर्स ने पीयू में आए यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के चेयरमैन जगदीश कुमार को मेमोरेंडम सौंप कर उनसे डिमांड की है कि केंद्र सरकार से 294.18 करोड़ रुपए की रकम ग्रांट के तौर पर उपलब्ध कराएं। पीयू के स्टाफ का वेतनमान तो 2022 में बढ़ा दिया गया है, लेकिन 2017 से लागू इस योजना का एरियर भी बकाया है। लॉ ऑडिटोरियम में चल रहे प्रोग्राम के दौरान ही उन्होंने ये डिमांड की है। उल्लेखनीय है कि इस डिमांड को लेकर टीचर्स का एक ग्रुप करीब 120 से धरना दे रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 23-11-2023**

एनईपी की सफलता के लिए इनोवेशन और रिसर्च पर काम जरूरी : दत्तात्रेय

पंजाब यूनिवर्सिटी में शुरू हुई उत्तर भारत के कुलपतियों की दो दिवसीय कांफ्रेंस

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : नेशनल शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 लागू करने के लिए अनिवार्य है कि अब विद्यार्थी आविष्कार और शोध पर काम करें। विद्यार्थी जितना शोध और आविष्कार करेगा वह उतना ही सशक्त होगा और दूसरे को रोजगार देने के योग्य बनेगा। यह कहना है हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का।

बंडारू दत्तात्रेय पंजाब यूनिवर्सिटी में शुरू हुई दो दिवसीय नार्दन जोन वाइस चांसलर कांफ्रेंस के शुभारंभ बोल रहे थे। कांफ्रेंस में एनईपी 2020 पर परिचर्चा होगी, जिसके लिए उत्तर भारत के 100 से ज्यादा यूनिवर्सिटीज के वाइस चांसलर और प्रतिनिधि पहुंचे हैं। शुभारंभ कार्यक्रम में बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020 के लिए स्टार्टअप और स्किल इंडिया का नारा दिया है। इस नारे को साकार करने और युवाओं को आर्थिक तौर पर सशक्त करने के लिए युवाओं का योगदान अहम है। शुभारंभ कार्यक्रम में यूजीसी के चेयरमैन जगदीश कुमार, हरियाणा की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डा. टंकेश्वर कुमार और पीयू वाइस चांसलर प्रो. रेणु विज मौजूद रहीं। प्रो. रेणु विज ने पीयू में लागू किए गए एनईपी 2020 के बारे में विस्तार से बताया।

पंजाब यूनिवर्सिटी में शुरू हुई कांफ्रेंस के लिए ला आडिटोरियम में पहुंचे विभिन्न विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर और प्रतिनिधि • जागरण

- **कांफ्रेंस में उत्तर भारत से पहुंचे हैं 100 से ज्यादा वाइस चांसलर**
- **कांफ्रेंस में नई शिक्षा नीति पर दो दिन तक की जाएगी चर्चा**

बेहतर परिणाम के लिए तर्कशील होना जरूरी : जगदीश कुमार

यूजीसी चेयरमैन जगदीश कुमार ने कहा कि एनईपी 2020 को लागू करने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ के अलावा बेहतर सुविधाओं की जरूरत है। इसे पूरा करने के साथ विद्यार्थी की तर्कशीलता अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी तर्कशील होगा, तभी उसके किए गए शोध और आविष्कार का उचित उपयोग हो सकेगा और वह समाज के बड़े हिस्से के लिए काम कर सकेगा। जगदीश कुमार ने कहा कि वर्ष 2047 तक देश को आर्थिक, सामाजिक तौर पर सशक्त करके विकसित देश की श्रेणी में शामिल करना है। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ ऐसा संबंध कायम करने की अपील की कि खुलकर बात कर सकें और अपनी हर जरूरत को पेश करने की हिम्मत कर सकें।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 23-11-2023**

पी.यू. में हुआ कार्यक्रम | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर दो दिवसीय सम्मेलन

स्टूडैंट पढ़ना चाहते हैं, लेकिन संस्थान एन.ई.पी. लागू नहीं कर रहे'

यू.जी.सी. के चेयरमैन प्रोफैसर एम. जगदीश कुमार ने विद्यार्थियों के लिए एन.ई.पी. के सर्वोच्च महत्व पर जोर दिया

चंडीगढ़, 22 नवम्बर (रश्मि हंस): नई एजुकेशन पॉलिसी (एन.ई.पी.) स्टूडैंट की ग्रोथ के लिए है, जिसके तहत स्टूडैंट तो पढ़ना चाह रहे हैं, लेकिन संस्थान इसे लागू नहीं करना चाह रहे हैं, जबकि हमें अपना दिमाग खोलकर और सभी बैरियर तोड़कर इस पर काम करना चाहिए और स्टूडैंट को एन.ई.पी. के तहत पढ़ाना चाहिए। यह बात पंजाब विश्वविद्यालय की 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन' के महत्वपूर्ण विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन के लॉ ऑडिटोरियम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के चेयरमैन प्रोफैसर एम. जगदीश कुमार ने कही। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए एन.ई.पी. के सर्वोच्च महत्व पर जोर दिया और विश्वविद्यालयों में इसके तेजी से कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को एक ऐसा परिवेश प्रदान करना हम सब की सांझी जिम्मेदारी है, जिसमें वे शिक्षा के समस्त आयामों को आत्मसात कर सकें। इस अवसर पर एन.ई.पी. से संबंधित यू.जी.सी. की पहलों को प्रदर्शित करने वाली एक लघु फिल्म भी प्रस्तुत की गई।

लॉ आडिटोरियम में कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय संबोधित करते हुए और मौजूद यू.जी.सी. चेयरपर्सन प्रोफैसर एम. जगदीश कुमार और वी.सी. रेनू विग। (परमजीत)

शिक्षकों को अपना रोल मॉडल मानना चाहिए : बंडारू दत्तात्रेय

वहीं उद्घाटन भाषण हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा दिया गया। उन्होंने कहा कि एन.ई.पी. 2020 को उसकी मूल भावना के साथ लागू करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। टैक्नोलॉजी से ज्यादा से ज्यादा युवा जुड़े इसलिए एन.ई.पी. को लागू करना जरूरी है। टैक्नोलॉजी का जमाना है, हर वर्ष 68 लाख स्टूडैंट डिग्री हासिल करते हैं। इसमें 39 लाख लड़के और 33 लाख लड़कियां हैं। इतनी बड़ी संख्या में हर वर्ष नौकरी कहां से आएगी। इसलिए स्टूडैंट को जॉब करने वाले नहीं जॉब देने वाले बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में 2030 में करीब 3 करोड़ नौकरियां निकलेंगी। हमारा भारत ऐसा होना चाहिए कि भारत के 2 करोड़ युवाओं को नौकरी मिले। उन्होंने स्टूडैंट को कहा कि शिक्षकों को अपना रोल मॉडल मानना चाहिए और यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि वह आज जो भी कुछ हैं अपने शिक्षक की वजह से हैं।

पी.यू. द्वारा उठाए महत्वपूर्ण प्रयासों बारे बताया

सम्मेलन का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करना है। यह सम्मेलन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन पी.यू. की वी.सी. प्रोफैसर रेनू विग द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ शुरू हुई। उन्होंने पी.यू. के गौरवशाली इतिहास का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के क्रियान्वयन के सन्दर्भ में पी.यू. द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रयासों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि पी.यू. परिसर में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' सत्र 2023-24 से लागू किया जा रहा है।

भाग ले रहे 240 संस्थानों के प्रतिनिधि

इस दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित किया, जिसने आगामी व्यावहारिक चर्चा के लिए सुदृढ़ भूमिका का कार्य किया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में उत्तरी क्षेत्र के लगभग 240 उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिन्हें गहन विचार-मंथन के लिए 10 समूहों में बांटा गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन समूहों द्वारा दी गई संस्तुतियां 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के सार्थक क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम का संचालन पंजाब विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी इंस्ट्रक्शन की डीन प्रो. रुमिला सेठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। वहीं पूरा दो और से शिक्षकों को जल्द एरियर मिले इसको लेकर यू.जी.सी. के चेयरमैन को मांग पत्र सौंपा गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 23-11-2023**

Dignitaries at a conference on NEP 2020 at Panjab University, Chandigarh. TRIBUNE PHOTO: VICKY

At VCs' meet, UGC chief says zeal to implement NEP visible

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, NOVEMBER 22

The two-day northern zone vice-chancellors' conference on the implementation of NEP-2020 commenced at Panjab University (PU) today. The event is being organised by PU in collaboration with the University Grants Commission (UGC) and the Central University of Haryana (CUH).

The welcome address was delivered by PU Vice-Chancellor Prof Renu Vig, who said the university was taking all necessary measures to implement the policy from the forthcoming session.

CUH Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar outlined the fact that outcome-based education was the prime objective of the NEP. "The policy aims at making our students employers, not job-seekers," he said.

The opening remarks by UGC chairman Prof Mamidala Jagadesh Kumar emphasised that zeal among students as well as institutions to introduce the NEP was visible. "Students are ready to experiment with multiple entry and exit options and opt for multidisciplinary courses, but our rigid education system is not," he said. It was important to allow the NEP to seep into our education ecosystem to be socially and culturally progressive, he added.

The inaugural address was delivered by Haryana Governor Bandaru Dattatreya, who highlighted the importance of technology, innovation and research, and adapting oneself to the changing times. "Students do not take outdated faculty seriously," he said mockingly. The implementation of the NEP was important to achieve the objective of "Atmanirbhar Bharat", he added.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-11-2023**

विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी नई शिक्षा नीति लागू करने में मुख्य चुनौती : एम जगदीश

नॉर्दर्न जोन वाइस चांसलर सम्मेलन के लिए सिटी ब्यूटीफुल पहुंचे यूजीसी के अध्यक्ष ने पंजाब यूनिवर्सिटी में नई शिक्षा नीति के मुद्दे पर साझा किए विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

पंजाब यूनिवर्सिटी के गोल्डन जुबली हॉल में चर्चा के बाद विद्यार्थियों के साथ यूजीसी के अध्यक्ष एम जगदीश। अमर उजाला

आंकड़ों से ऐसे समझाया..

बोले- शिक्षकों की कमी के कारण शोध कार्यों में कमी आएगी और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पाएगी

बोले- पीयू को पूरा समर्थन, केंद्र से ज्यादा से ज्यादा फंड लाने की करेंगे कोशिश

सबसे अधिक नोबेल पुरस्कार पाने वाले 10 देशों में मातृभाषा में दी जाती है शिक्षा

यूजीसी को देनी होगी विद्यार्थियों की जानकारी

पीयू में यूजीसी अध्यक्ष एम जगदीश बोले-

देशभर में खुलेंगे पांच हजार कौशल केंद्र, हुनरमंद बनेंगे युवा

सम्मेलन के दौरान चर्चा में शामिल वीसी प्रो. रेणु विग व अन्य गण्यमान्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए उत्तरी क्षेत्र के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन वीरवार को समाप्त हुआ। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए यूजीसी अध्यक्ष एम जगदीश ने कहा कि देशभर में 5000 कौशल केंद्र खोले जाएंगे ताकि युवा कौशल सीखकर आजीविका कमा सकें।

सम्मेलन में ऑनलाइन शिक्षा को ऑफलाइन शिक्षा की तरह मजबूत बनाने तथा इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने, केस स्टडी और व्यावहारिक कार्य के माध्यम से अनुभवात्मक सीखने और प्रशिक्षण पर जोर दिया। पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ ऑडिटोरियम में पॉवर-पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से सभी विषयगत सत्रों में आयोजित चर्चाओं पर सामूहिक विचार-मंथन किया। एम. जगदीश कुमार ने बताया कि कौशल विकास कर युवा सशक्त बनेंगे और स्वरोजगार शुरु कर सकेंगे।

दस सत्रों के अतिरिक्त दो विशेष सत्र भी आयोजित किए गए। पहला सत्र एनईपी सारथी पर केंद्रित रहा। इसमें प्रो. एम जगदीश कुमार ने उत्तरी क्षेत्र के 8 विश्वविद्यालयों के 33 प्रतिनिधि-विद्यार्थियों के साथ सार्थक संवाद किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 24-11-2023**

• यूजीसी के चेयरपर्सन प्रो. जगदीश कुमार बोले- किताबों का पंजाबी भाषा में अनुवाद करने के लिए पीयू के साथ कर रहे चर्चा

विज्ञान भी मानता है मातृभाषा में पढ़ने वाले बच्चे बाद में बेहतर सीखते हैं, इसलिए एनईपी में स्थानीय भाषाओं को दिया महत्व

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

विज्ञान भी मानता है कि मातृभाषा में पढ़ने वाला बच्चा बाद में बेहतर तरीके से अन्य भाषा पर पकड़ बना सकता है। उनकी जिज्ञासा ज्यादा होगी और अन्य भाषाओं में अधिक रुचि भी। इसलिए नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) में स्टूडेंट्स को उनके इतिहास के बारे में अधिक जागरूक करने और मातृभाषा की नींव को मजबूत करने का प्रयास किया गया है। हम पीयू के साथ चर्चा करके कई कोर्स की किताबों को पंजाबी भाषा में अनुवादित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। बच्चा अंग्रेजी माहौल में अपनी मातृभाषा बोलने से न कतराए हम बस इस तरह का माहौल तैयार करना चाह रहे हैं। यह कहना है यूजीसी के चेयरपर्सन प्रो. जगदीश कुमार का। वह वीरवार को पीयू के गोल्डन जुबली हॉल में एनईपी पर बात कर रहे थे।

पीयू में चल रहे एनईपी 2020 के तहत एक प्रेसवार्ता में प्रो. जगदीश कुमार ने बताया कि इस बैठक में 10 विषयों पर अलग-अलग सब-कमेटियां बनाई गई हैं। इनके चेयरपर्सन कमेटियों के सुझाव और आपत्तियां हमें देंगे जिस पर आगे काम करने का रोडमैप तैयार होगा। इसमें सभी भाषाओं को समाहित किया गया है। प्रो. जगदीश ने कहा कि अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा पद्धति को काफी प्रभावित किया। यही कारण है कि स्थानीय इतिहास सिर्फ सीमित जगह तक सिमट कर रह जाता है। देश के प्रत्येक प्रदेश के इतिहास को हर व्यक्ति जाने यह नई शिक्षा नीति में समाहित किया गया है। इसलिए हम इतिहास को तरीके से दोहराकर स्टूडेंट्स के सामने ला रहे हैं।

• विदेशों में स्थानीय भाषा को दिया जाता है महत्व, ई-कुंभ पर मिलेंगी निशुल्क किताबें

प्रो. जगदीश ने कहा कि मेरी शिक्षा तेलुगू में हुई, लेकिन मैं हिंदी में बात कर रहा हूं। मैं दुनियाभर में कॉन्फ्रेंस में जाता हूं। यूरोप सहित दुनिया के प्रमुख 10 देशों में उनकी स्कूल शिक्षा से लेकर पीएचडी तक स्थानीय भाषा में होती है। हम अपने स्टूडेंट को इनोवेटिव और क्रिएटिव बनाना चाहते हैं। नई शिक्षा पद्धति का रोडमैप इसी पर आधारित है। अंग्रेजी को कम्युनिकेशन के तौर पर समझिए और पढ़िए, लेकिन अपनी मातृभाषा को पकड़कर रखिए। प्रत्येक भाषा में किताबें होंगी जो डिजिटल प्लेटफॉर्म ई-कुंभ पर ऑनलाइन निशुल्क उपलब्ध होंगी।

• सेंट्रल यूनिवर्सिटी में 80 फीसदी पद खाली पड़े हैं... इससे पहले वेस्ट जोन के यूनिवर्सिटी के वीसी की बैठक हुई, अब नॉर्थ जोन में आयोजन कर रहे हैं। इसमें पता चला कि देश की कई सेंट्रल यूनिवर्सिटी में 80 प्रतिशत तक पद खाली पड़े हैं। हम पत्र लिखकर खाली पदों को भरने के लिए लगातार कह रहे हैं। मार्कशीट के फर्जीवाड़े को रोकने के लिए भी हमने सभी यूनिवर्सिटी को बोला है कि वह स्टूडेंट्स के दस्तावेज यूजीसी द्वारा बताए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर डालें।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-11-2023**

शैक्षणिक संस्थानों में प्रैक्टिकल के लिए लैब स्थापित करना बड़ी परेशानी: प्रो. तिवारी

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : नेशनल एजुकेशन पालिसी (एनईपी) 2020 में शोध और आविष्कार पर जोर दिया जा रहा है जो अनिवार्य है। इस शोध और आविष्कार के परिणाम को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि हम स्थानीय इनपुट भी उसमें शामिल करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकल पर वोकल का नारा दिया है, जिसे साकार करने के लिए हमें विद्यार्थियों को शोध और आविष्कार के लिए स्थानीय जरूरतों और परेशानियों से जोड़ना होगा। यह कहना है पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा के वाइस चांसलर प्रो. राघवेंद्र पी तिवारी का। प्रो. तिवारी बुधवार को पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित नार्दर्न जोन वाइस चांसलर कांफ्रेंस में पीयू पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि हम तेजी से एनईपी 2020 को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें कई प्रकार की परेशानियां हैं। एक बड़ी परेशानी शैक्षणिक संस्थानों में प्रैक्टिकल के लिए लैब स्थापित करना है। यदि विद्यार्थी के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को आम समाज से जोड़कर तैयार किया जाए तो लैब की जरूरत कुछ हद तक दूर हो जाएगी और विद्यार्थी को बेहतर जानकारी मिल सकेगी। बुधवार को समापन समारोह में यूजीसी के चेयरमैन जगदीश कुमार के साथ प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित मौजूद रहे। एनईपी 2020 को लागू करने के विभिन्न आयामों पर आयोजित परिचर्चा में वाइस चांसलर ने शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता देने से लेकर इंस्पेक्शन के लिए सुझाव भी पेश किए।

पीयू में आयोजित वाइस चांसलर सम्मेलन में उत्तर भारत के 100 से ज्यादा कुलपतियों ने हिस्सा लिया

विद्यार्थियों का सर्वे करने का दिया सुझाव : परिचर्चा के दौरान हिमाचल प्रदेश की प्राइवेट यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ने इंस्पेक्शन के लिए डाक्यूमेंट जमा करने के साथ प्रैक्टिकल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इंस्पेक्शन के दौरान टीमें सिर्फ आफलाइन डाक्यूमेंट्स चेक करती हैं। डाक्यूमेंट्स को यूनिवर्सिटी या कालेज प्रबंधन बना सकता है। बेहतर होगा यदि इंस्पेक्शन के दौरान विद्यार्थियों का फिजिकल सर्वे किया जाए। दो से तीन वर्ष तक शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई करने वाला स्नातक का विद्यार्थी बेहतर फीडबैक दे सकता है।

पांच हजार कौशल विकास केंद्रों की होगी स्थापना : यूजीसी के चेयरमैन जगदीश कुमार ने बताया कि कौशल को बढ़ावा देने के लिए, प्रैक्टिकल को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में 40 प्रतिशत तक शामिल किया जा रहा है। यदि किसी संस्थान में पढ़ाई करते हुए विद्यार्थी को कौशल विकास की शिक्षा नहीं दी जाती तो देश में पांच हजार विशेष कौशल विकास केंद्रों की स्थापना होगी, जहां पर स्नातक पास कर चुके युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी। यूजीसी का प्रयास है कि स्नातक कर चुके 95 प्रतिशत युवा रोजगार देने के काबिल बन सकें।

'अब भारतीय इतिहास को किया जाएगा प्रोत्साहित'

जासं, चंडीगढ़ : नेशनल एजुकेशन पालिसी (एनईपी) 2020 को लागू करने का एक बड़ा कारण युवाओं तक जानकारी आसानी तक पहुंचाना है। इसी सोच के साथ शैक्षणिक पाठ्यक्रम को स्थानीय भाषा में पहुंचाना शुरू कर दिया है। विज्ञान, आर्थिक और सामाजिक विषयों की पढ़ाई स्थानीय भाषा में कराई जा रही है जो विद्यार्थी की समझ में आसानी से आ रही है। स्थानीय भाषा में पाठ्यक्रम देने के साथ अगला प्रयास भारतीय इतिहास की हर जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाना है। भारतीय इतिहास विज्ञान पर आधारित है, जिसकी जानकारी नहीं होने के कारण हमें परेशानी आ रही है। अब मुगल और अंग्रेजी इतिहास के साथ भारतीय इतिहास को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह जानकारी यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के चेयरमैन प्रोफेसर जगदीश कुमार ने पीयू में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। वह पीयू में नार्दर्न जोन वाइस चांसलर कांफ्रेंस में शिरकत करने पहुंचे थे। एनईपी में विभिन्न पहलू नए शामिल किए हैं जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होने के साथ समाज को बेहतर परिणाम देने वाले हैं। इनमें सबसे अहम यह है कि पाठ्यक्रम में 40 प्रतिशत तक प्रैक्टिकल शामिल करना। यदि विद्यार्थी को प्रैक्टिकल की समझ होगी तो वह उसका बेहतर काम कर सकेगा और समाज के लिए बेहतर काम करेगा। इसी प्रकार से हर विषय के पाठ्यक्रम को कौशल विकास से जोड़कर तैयार किया जा रहा है, ताकि युवा रोजगार मांगने के बजाए देने वाला बने।

प्रो. जगदीश कुमार, चेयरमैन, यूजीसी • जागरण

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 24-11-2023**

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन शिक्षकों की भूमिका अहम : दत्तात्रेय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

एक साधारण शिक्षक बच्चों को केवल पढ़ाता हैं लेकिन एक अच्छा शिक्षक अच्छे मानव को तैयार करता है, जबकि श्रेष्ठ शिक्षक अपने हासिल किए गए अनुभवों और बहुआयामी ज्ञान से प्रतिभावान एवं चरित्रवान नई पीढ़ी का निर्माण करता है। यह गरिमापूर्ण उद्गार हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बृहस्पतिवार को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में नई शिक्षा नीति-2020 के विषय पर आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन में प्रकट किए। उन्होंने ने कहा कि आज भारत 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक नई व्यवस्थाएं बना रहा है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के आधार स्तंभों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक समावेशी और प्रेरक नीति है, जिसका उद्देश्य भारत में शिक्षा प्रणाली का सुधार और परिवर्तन करना है। नई नीति

कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

रोजगार क्षमता से उद्यमिता की ओर बदलाव को दर्शाती है और यह नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी पैदा करने वालों को आगे बढ़ाने का प्रयास करती है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक उत्कृष्ट नीति है क्योंकि इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को समग्र, लचीला, बहु-विषयक बनाना हैं। 21वीं सदी की आवश्यकता और गरीबी उन्मूलन के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।